Public Health Foundation of India

CCEBDM & CCGDM Convocation – Jamshedpur (Jharkhand)

Dr. Nirmal Kumar (Principal- MGM Medical College) as the Chief Guest inaugurating the CCEBDM & CCGDM Convocation held at Jamshedpur

Venue: Jamshedpur (Jharkhand)

Date: 23rd March, 2014

Jamshedpur 23rd March 2014

Dr. A. K. Virmani speaking at the convocation about the CCEBDM and CCGDM Course

*Glimpses of the Convocation - **Jamshedpur***

Dr. Shivangi Vats from PHFI Lightening the candle at the start of the convocation

Participant attending the Convocation

Dr. Sangeeta Singhal (Regional Faculty - CCGDM) lightening the Candle at the start of the Convocation

Participants receiving the certificates from the Chief Guest

Media Coverage *– Convocation at Jamshedpur*

डायबिटीज कोर्स करने वाले डॉक्टरों को मिला प्रमाण पत्र

जमशेदपुर: डायबिटीज मैनेजमेंट के दो कोर्स सर्टिफिकेट कोर्स इन एवीडेंस बेस्ड डायबिटीज के 2013-14 के तीसरे बैच के 14 डॉक्टरों को और सर्टिफिकेट कोर्स इन गेस्टाशनल डायबिटीज मेलिटस के पिछले वर्ष के पहले बैच के 17 डॉक्टरों के बीच प्रमाण पत्र नई दिल्ली के पीएचएफआई की ओर से वितरित किया गया. इस मौके पर सीसीइबीडीएम और सीसीजीडीएम के रिजनल फैकल्टी डॉ अनिल कुमार विरमानी ने डायबिटीज के होने और इससे बचने आदि के बारे में विस्तार से बताया. पीएचएफआई से आयी डॉ शिवांगी, मनोज कुमार

अपने विचार व्यक्त किए. डॉ संगी

सिंघल ने गर्भावस्था में डायबिटी

प्रबंधन के बारे में बताया. इस बीमा

से गर्भवती को किस तरह से बच

है, खान पान में क्या-क्या सावधा

होनी चाहिए आदि के बारे में बताय

इस मौके पर डॉ ए के पॉल, डॉ

जायसवाल, डॉ निर्मल कुमार,

आर्या, डॉ रंजना झा, डॉ के पी दु

डॉ आयुष आदि मौजूद थे.

न्यूज़ इनबॉक्स

31 डॉक्टरों को दिया गया प्रमाण-पत्र

जमशेदपुर | शहर के 14 डॉक्टरों ने सर्टिफिकेट कोर्स इन एविडेंस बेस्ड डायबिटीज (सीसीइबीडीएम) और 17 ने सर्टिफिकेट कोर्स इन गेस्टेशनल डायबिटीज मेलिटस (सीसीजीडीएम) पास किया है। इन डॉक्टरों को रविवार को साकची में आयोजित समारोह में प्रमाण पत्र दिया गया। पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन (पीएचएफ) और डॉ मोहनस इंस्टीट्यूट ऑफ डायबेटिक एकेडमी एंड एजुकेशन के संयुक्त तत्ववाधान में संचालित इस कोर्स को इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन (आइडीएफ) से मान्यता प्राप्त है। इसके क्षेत्रीय फैकल्टी डॉ अनिल कुमार विरमानी हैं। समारोह में मुख्य अतिथि एमजीएम मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग के एचओडी डॉ निर्मल कुमार ने कहा कि मधुमेह तेजी से बढ़ रहा है, इसलिए सभी डॉक्टर ऐसे कोर्स कर इस पर नियंत्रण का प्रयास करें। मौके पर आईएमए के अध्यक्ष डॉ केपी दुबे, महासचिव डॉ मृत्युंजय सिंह, डॉ संगीता सिंघल आदि मौजूद थे।

हलचल

शहर में तेजी से बढ़ रहे मधुमेह के रोगी

होटल दयाल में सेमिनार का उद्घाटन करतें डॉ. निर्मल व अन्य। ● हिन्दुस्तान

जमशेदपुर। लौहनगरी में मधुमेह के रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ी है, जो स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। इससे कई तरह की बीमारियों का खतरा हो सकता है। टीएमएच द्वारा साकची स्थित होटल दयाल में आयोजित संगोष्ठी में शहर के डॉक्टरों ने यह बात कही। एमजीएम अस्पताल के मेडिसिन विभाग के डॉ. निर्मल कुमार संगोष्ठी के मुख्य अतिथि थे, जहां प्रशिक्षण प्राप्त 29 डॉक्टरों को प्रमाण पत्र दिया गया। दिल्ली के डॉ. मनोज कुमार, डॉ. शिवांगी, डॉ. एके विरमानी समेत डॉ.संगीता सिंघल ने महिलाओं में गर्भावस्था के दौरान मधुमेह की शिकायत मिलने पर उत्पन्न परेशानियों पर प्रकाश डाला। समारोह में टीएमएच के डॉ. पॉल, आईएमए के सचिव डॉ. मृत्युंजय सिंह समेत जमशेदपुर के दर्जनों डॉक्टर शामिल थे।

28 चिकित्सकों के बीच प्रमाण पत्र वितरित

- झारखंड में रांची और जमशेदपुर में दिया जाता है चिकित्सकों को प्रशिक्षण
- सीसीइबीडीएम कोर्स के 13 व सीसीजीडीएम कोर्स के 15 डॉक्टरों को मिला प्रमाण पत्र

जमशेदपुर . पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया व रिसर्च सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ इंडिया चेन्नई द्वारा रविवार को बिष्टुपुर स्थित एक होटल में 28 डॉक्टरों को प्रमाण पत्र दिया गया. इस संबंध में झारखंड डायबिटीज फोरम साइंटिफिक कमेटी के चेयरमैन डॉ एके विरमानी ने बताया कि रिसर्च सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया द्वारा डॉक्टरों को डायबिटीज के इलाज के लिए ट्रेनिंग दी जाती है. झारखंड के रांची व जमशेदपुर में इसके दो सेंटर हैं, जहां इसकी ट्रेनिंग दी जाती है. इनमें सीसीइबीडीएम व सीसीजीडीएम दो तरह के कोर्स कराये जाते हैं. इससे पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन एमजीएम अस्पताल के डॉक्टर निर्मल कुमार ने किया. इस दौरान डॉ केपी दुबे, डॉ सिंघल, डॉ शिवांगी, डॉ आर्या, डॉ एके पाल, डॉ ए जायसवाल, डॉ आयुष, डॉ रंजना झा, डॉ उमेश खान, डॉ एनसी सिंघल, डॉ मृत्युंजय सिंह आदि मौजूद थे.